



आनंदमयी कविता



वाह, मेरे घोड़े!

एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
वाह, मेरे घोड़े क्या तेरी चाल!



एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
भाग मेरे घोड़े, चल नैनीताल!



एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
ले मेरे घोड़े चने की दाल!



एक कदम, दो कदम, तीन कदम ताल,
खाकर दिखा फिर अपना कमाल!

— रमेश तैलंग





शब्दों का खेल



1. नीचे दिए गए शब्दों को ध्यान से सुनिए। इन शब्दों की पहली और अंतिम ध्वनि पहचानिए –

ताल

चाल

दाल

कमाल

ऐसे शब्द लिखिए जिनकी अंतिम ध्वनि इन शब्दों (ताल, चाल, दाल, कमाल) जैसी हो –

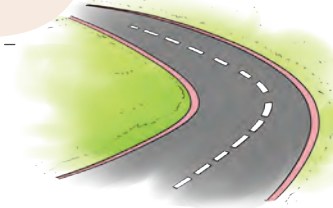
.....

2. 'त', 'घ' 'ड़' की ध्वनि वाले शब्दों को पहचानिए और लिखिए –



घोड़ा ताला पेड़ डाल दाल

तोता घर धागा सड़क



.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षण-संकेत – कविता में आए हुए शब्दों एवं अन्य शब्दों की सहायता से बच्चों को 'त', 'घ', 'ड़' ध्वनियों और उनकी आकृतियों से परिचित कराएँ।



45

